Cauliflower - PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Cauliflower seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-qualityCauliflower seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Cauliflower seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.
Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Cauliflower Hybrid	**Maple, Nayra**	**Selena, Sophia**
Duration	85-95 DAS	95-105 DAS
Kharif	May- June	July - Aug
Rabi		Early Rabi
Spring	Yes	
Source of Irrigation	Ground	Ground

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	Cauliflower requires cool temperatures, with the optimum range for growth and curd formation being approximately 15- 21°C. Varieties suitable for slightly higher temperature have been developed, and it is crucial to check with the supplier for the suitbalitiy of the variety for respective zones.
2	Land/ Soil	Light soil is suitable for early crops while, loam to clay loam soils suit mid and late-season crops. Soil The optimal soil pH is 5.5 to 6.0.
3	Season. Sowing/planting time	Grown across mutiple seasons in India. Early-season varieties planted from May to August, main-season varieties from September to October, and late-season varieties from October to December.
4	Seed rate/ acre	120-160g/ acre. Seed rate depends on the variety
5	Preparation of Main field and planting	Land should be prepared to a fine tilth and FYM or compost to be applied. It is advisable to apply slaked lime every 3 years according to the soil test result. Lime should be applied at least 30 days before planting.
6	Spacing	(Row to Row x plant to plant): 60 cm x 30 cm
7	Manures and Fertilizers	FYM @ 10 t, N 80 kg., P205 60 kg and K20 kg/ha. Half of N and full doses of FYM, P205 and K20 should be applied as basal and the remaining half of N to be top dressed at 30 days after planting (during earthing up).
8	Seed treatment before sowing	Seed is treated with Captan 2 g/kg
10	Irrigation schedule	Immediately after transplanting, a light watering should be given and continued till the seedlings are established and subsequent irrigation should be given whenever required. Availability of water in soil should be uniform.
11	Weeding/ inter cultivation	Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing.
12	Micronutrient/growth regulator sprays	For Hill Zone (i) Apply boron 3000 ppm (3g/lit) as foliar spray 30 days after transplanting @ 650 lit spray solution/ha.(N. B. Boron content in Borax is 11.3% and the Boric acid 17.5%.) (ii)Apply commercial micronutrient formulation in two splits at 32-45 days after transplanting as per recommendation.
13	Pest and Disease control	Caterpillars and other leaf eaters: Spray Emamectin Benzoate 5% SG (0.5 gm/ltr) Field-cricket, cutworm, red ants and other soil insects: Apply Flubendiamide 8.33 % + Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/ltr) Black rot: Drench the soil with 100-200 ppm solution (0.1-0.2g/lit) of Streptomycin after transplanting. Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Thrips /Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) or Flubendiamide 8.33 % + Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/ltr) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.
14	Harvest	Harvesting time will differ with the variety anywhere from 90-100 days. Harvest heads which are frim, compact, and white. Please donot allow the curd to become loose. WHile harvesting , please cut the stalk below the head, or bend it to break if off.
15	Expected yield	Yield depends on the variety, Avg yield of Early season variety would can be 3.5 to 5 tonnes, while for late vareties it may go up to 10-12 tonnes per acre, under ideal conditions.
17	Storage	After harvest,Cauliflowre should be stored in a cool, humid place with 95-98% relative humidity. Before storage ensure the curds are free from bruising or damage.
18	Don't Do	Don't overwater, especially during maturity the heads, as it can lead to head splitting. Excess Nitrogen close to harvest is a strict no, as it can lead to Aphid build up and impact curds
19	Do's	
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

फूलगोभी की खेती का तरीका

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार की फूलगोभी की बेहतरीन किस्म की बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के फूलगोभी के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के शिमला मिर्च के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता देते हैं।
बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड फूलगोभी	**हाइब्रिड. मेपल, नायरा**	**हाइब्रिड. सेलेना, सोफिया**										
अवधि	85-95 DAS	95-105 DAS										
खरीफ	मई-जून	जुलाई-अगस्त										
रबी		शुरुआती रबी										
वसंत	हाँ											
सिंचाई का स्रोत	जमीन	जमीन										

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	फूलगोभी के लिए ठंडा मौसम अनुकूल है, और इसके विकास और फूल बनने के लिए 15–21°C का तापमान उपयुक्त माना जाता है। कुछ उच्च तापमान सहनशील किस्में विकसित की गई हैं, इसलिए संबंधित क्षेत्र के लिए किस्म की उपयुक्तता के बारे में बीज आपूर्तिकर्ता से सलाह लें।
2	भूमि/ मिट्टी	शुरुआती फसलों के लिए हल्की मिट्टी बेहतर है, और मध्य और देर वाली फसलों के लिए दोमट से चिकनी दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। मिट्टी के लिए उपयुक्त pH 5.5–6.0 है।
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	यह फसल भारत में कई मौसमों में उगाई जाती है। शुरुआती मौसम की किस्में मई से अगस्त तक, मुख्य मौसम की किस्में सितंबर–अक्टूबर तक, और देर वाली किस्में अक्टूबर से दिसंबर तक बोई जाती हैं।
4	प्रति एकड़ बीज की मात्रा	120-160ग्राम/ एकड़। बीज की मात्रा किस्म पर आधारित होती है
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	खेत को अच्छी तरह से जोत कर उसमें गोबर खाद या कंपोस्ट मिलाएँ। सलाह है कि मिट्टी की जाँच के आधार पर हर 3 साल पर बुझा हुआ चूना डालें। रोपाई से कम से कम 30 दिन पहले चूना डाला जाना चाहिए।
6	पौधों के बीच दूरी	(पंक्ति से पंक्ति और पौधा से पौधा): 60 x 30 सेमी
7	जैविक और रासायनिक उर्वरक	गोबर खाद 10 टन/हेक्टेयर, नाइट्रोजन 80 किग्रा, फॉस्फोरस 60 किग्रा और पोटाश 20 किग्रा/हेक्टेयर। नाइट्रोजन का आधा और FYM, फॉस्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा बेसल के रूप में लगाएँ, शेष नाइट्रोजन 30 दिन बाद (मिट्टी भराई के दौरान) ऊपर से डालें।
8	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज पर कैप्टन 2 ग्राम प्रति किग्रा का छिड़काव करें
10	सिंचाई कार्यक्रम	प्रत्यारोपण के तुरंत बाद पौधों को हल्का पानी दें और पौधों के स्थिर होने तक सिंचाई जारी रखें; आगे की सिंचाई आवश्यकता अनुसार करें। मिट्टी में पानी बराबर मात्रा में मौजूद होना चाहिए।
11	गुड़ाई और खेत की बीच-बीच में जुताई	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें।
12	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	पहाड़ी क्षेत्र: (i) रोपाई के 30 दिन बाद 3000 ppm बोरॉन (3g/लीटर) पत्तियों पर छिड़कें, छिड़काव घोल 650 लीटर/हेक्टेयर हो। (नोट: बोरेक्स में 11.3% और बोरिक एसिड में 17.5% बोरॉन होता है।) (ii) रोपाई के 32–45 दिन में कमर्शियल माइक्रो-न्यूट्रिएंट फॉर्मूलेशन को दो हिस्सों में बांटकर दो बार में लगाएँ।
13	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	तितली के लार्वा और पत्ते खाने वाले अन्य कीट: इमामेक्टिन बेंजोएट 5% SG @ 0.5 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें फील्ड-क्रिकेट, कटवॉर्म, लाल चींटियाँ और मिट्टी के अन्य कीट: फ्लुबेंडियामाइड 8.33% + डेल्टामैथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) का छिड़काव करें ब्लैक रोट: रोपाई के बाद मिट्टी में 100–200 ppm (0.1–0.2 ग्राम/लीटर) स्ट्रेप्टोमाइसिन का घोल डालें। पत्ते खाने वाले कीट: एबामेक्टिन 1.8% EC (0.5–1 मिली/लीटर) थ्रिप्स/एफिड्स: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) या फ्लुबेंडियामाइड 8.33% + डेल्टामैथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) फ्रूट फ्लाई: फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैथ्रिन का छिड़काव करें खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।
14	फसल काटना	किस्म अनुसार कटाई का समय 90 से 100 दिनों के बीच होता है। मज़बूत, कसे हुए और सफेद हेड वाले फूलगोभी की कटाई करें। फूलगोभी के हेड को ढीला नहीं होने दें। कटाई के दौरान, हेड के नीचे का डंठल काटें, या मोड़कर तोड़ दें।
15	अनुमानित उपज	फसल की उपज किस्म पर आधारित होती है, शुरुआती मौसम की किस्मों में औसतन 3.5–5 टन/एकड़ उपज होती है, जबकि देर वाली किस्मों में आदर्श स्थिति में यह 10–12 टन/एकड़ तक हो सकती है।
17	भंडारण	कटाई के बाद फूलगोभी को ठंडे और नम स्थान पर रखें, जहाँ सापेक्ष आर्द्रता 95–98% हो। भंडारण करने से पहले गोभी पर चोट या क्षति नहीं होने की जाँच करें।
18	क्या न करें	हेड्स की कटाई के समय ज्यादा पानी देने से बचें, अन्यथा हेड स्प्लिटिंग का खतरा रहता है। कटाई के करीब अतिरिक्त नाइट्रोजन न दें; यह एफिड्स के बढ़ने और गोभी के हेड्स पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
19	क्या करें	
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds INDUS SEEDS

ફુલાવર -ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ ફુલાવરના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા ફુલાવરના બીજ ઉત્પન્ન કરવાનો મજબૂત અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. સ્ફટિક ફુલાવરના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.

ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

ફુલાવર હાઇબ્રિડ	હાઇબ્રિડ. મેપલ, નાયરા	હાઇબ્રિડ. સેલેના, સોફિયા									
સમયગાળો	85-95 DAS	95-105 DAS									
ખરીફ	મે-જૂન	જુલાઈ - ઓગસ્ટ									
રાબી		પ્રારંભિક રાબી									
વસંત	હા										
સિંચાઈનો સ્રોત	જમીન	જમીન									

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	ફુલાવરને ઠંડુ તાપમાન જરૂરી છે, જેમાં વૃદ્ધિ અને દહીં બનાવવા માટે મહત્તમ શ્રેણી આશરે 15-21° સેલ્સિયસ. છે. થોડા ઊંચા તાપમાન માટે યોગ્ય જાતો વિકસાવવામાં આવી છે, અને સંબંધિત ઝોન માટે વિવિધતાની યોગ્યતા માટે સપ્લાયર સાથે તપાસ કરવી મહત્વપૂર્ણ છે.
2	જમીન / માટી	હલકી માટી શરૂઆતના પાક માટે યોગ્ય છે જ્યારે, લોમથી માટીની લોમ જમીન મધ્ય અને મોસમના પાક માટે યોગ્ય છે. માટી શ્રેષ્ઠ માટી pH 5.5 થી 6.0 છે.
3	ઋતુ. વાવણી/વાવેતરનો સમય	ભારતમાં અનેક ઋતુઓમાં ઉગાડવામાં આવે છે. મે થી ઓગસ્ટ દરમિયાન વાવેતર કરાયેલી પ્રારંભિક ઋતુની જાતો, સપ્ટેમ્બર થી ઓક્ટોબર દરમિયાન મુખ્ય ઋતુની જાતો અને ઓક્ટોબર થી ડિસેમ્બર દરમિયાન વાવેતર કરાયેલી અંત ઋતુની જાતો.
4	બીજ દર/એકર	120-160 ગ્રામ/એકર. બીજનો દર વિવિધતા પર આધાર રાખે છે
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	જમીનને સારી રીતે ખેડવી જોઇએ અને FYM અથવા ખાતરનો ઉપયોગ કરવો જોઇએ. માટી પરીક્ષણના પરિણામ મુજબ દર 3 વર્ષે સ્લેક્ડ ચૂનો લગાવવાની સલાહ આપવામાં આવે છે. વાવેતરના ઓછામાં ઓછા 30 દિવસ પહેલા ચૂનો નાખવો જોઈએ.
6	અંતર	(હરોળથી હરોળ x છોડથી છોડ): 60 સેમી x 30 સેમી
7	ખાતર અને ખાતરો	FYM @ 10 t, N 80 kg., P205 60 kg અને K20 kg/ha. N નો અડધો ભાગ અને FYM, P205 અને K20 નો સંપૂર્ણ ડોઝ બેઝલ તરીકે આપવો જોઈએ અને બાકીનો અડધો ભાગ N રોપણી પછી 30 દિવસ પછી (અર્થિંગ દરમિયાન) ઉપરથી ડ્રેસિંગ કરવો જોઈએ.
8	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજને કેપ્ટન 2 ગ્રામ/કિલોગ્રામ સાથે માવજત કરવામાં આવે છે.
10	સિંચાઈ સમયપત્રક	રોપણી પછી તરત જ, રોપાઓ વિકસિત થાય ત્યાં સુધી હળવું પાણી આપવું જોઈએ અને ત્યારબાદ જરૂર પડે ત્યારે પાણી આપવું જોઈએ. જમીનમાં પાણીની ઉપલબ્ધતા એકસરખી હોવી જોઈએ.
11	નીંદણ/આંતરખેતી	બે હાથે નીંદણ કાપવું જરૂરી છે. પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખો. વાવણી પછી 30 અને 60 દિવસે માટી ખોદવી.
12	સૂક્ષ્મ પોષકતત્ત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	પહાડી વિસ્તાર માટે (i) રોપણી પછી 30 દિવસ પછી બોરોન 3000 ppm (3g/lit) પાંદડા પર છંટકાવ તરીકે @ 650 લિટર સ્પ્રે દ્રાવણ/હેક્ટર આપો. (બોરેક્સમાં N. B. બોરોનનું પ્રમાણ 11.3% અને બોરિક એસિડ 17.5% છે.) (ii) ભલામણ મુજબ રોપણી પછી 32-45 દિવસે બે ભાગમાં વ્યાપારી સૂક્ષ્મ પોષકતત્ત્વોનું ફોર્મ્યુલેશન લાગુ કરો.
13	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	ઈયળ અને અન્ય પાન ખાનારા: ઈમામેક્ટીન બેન્ઝોએટ 5% SG (0.5 ગ્રામ/લિટર) નો છંટકાવ કરો. ખેતરમાં રહેતા કીડા, કટવોર્મ, લાલ કીડીઓ અને અન્ય માટીના જંતુઓ: ફ્લુબેન્ડિયામાઇડ 8.33% + ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% w/w SC (0.5 મિલી/લિટર) લાગુ કરો. કાળો સડો: રોપણી પછી જમીનને સ્ટ્રેપ્ટોમાઇસિનના 100-200 ppm દ્રાવણ (0.1-0.2 ગ્રામ/લિટર) થી ભીંજવો. પાન ખાણિયો: એબામેક્ટીન 1.8% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર), થ્રિપ્સ / મોલો મચ્છર: ફ્લોનીકામિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) અથવા ફ્લુબેન્ડિયામાઇડ 8.33% + ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% SC (0.5 મિલી/લિટર) સાથે ફળમાખી: ફેરોમોન ફાંસોનો ઉપયોગ કરો. ડેલ્ટા મિથ્રિન 1 મિલી/લિટર <u>ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.</u>
14	લણણી	વિવિધતા પ્રમાણે લણણીનો સમય 90-100 દિવસ સુધી બદલાય છે. કાપણીના મથાળું જે નાના, નાના અને સફેદ હોય. કૃપા કરીને દડાને ઢીલું ન થવા દો. કાપણી કરતી વખતે, કૃપા કરીને માથા નીચેનો દાંડો કાપી નાખો, અથવા જો છૂટો પડી ગયો હોય તો તેને વાળો જેથી તે તૂટી જાય.
15	અપેક્ષિત ઉપજ	ઉપજ વિવિધતા પર આધાર રાખે છે, શરૂઆતની ઋતુની જાતોની સરેરાશ ઉપજ 3.5 થી 5 ટન હોઈ શકે છે, જ્યારે મોડી જાતો માટે આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં તે પ્રતિ એકર 10-12 ટન સુધી વધી શકે છે.
17	સંગ્રહ	લણણી પછી, કોલીફ્લોરને 95-98% સાપેક્ષ ભેજવાળી ઠંડી, ભેજવાળી જગ્યાએ સંગ્રહિત કરવી જોઈએ. સંગ્રહ કરતા પહેલા ખાતરી કરો કે દહીં ઉઝરડા કે નુકસાનથી મુક્ત છે.
18	ના કરો	ખાસ કરીને પાકતી મુગટ દરમિયાન, વધુ પડતું પાણી ન આપો, કારણ કે તેનાથી મુગટ ફાટી શકે છે. લણણીની નજીક વધુ પડતું નાઇટ્રોજન સખત પ્રતિબંધિત છે, કારણ કે તે એફિડના સંચય તરફ દોરી શકે છે અને દહીંને અસર કરી શકે છે.
19	શું કરવું	
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED & PLANT SCIENCE

फुलकोबी - पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील फुलकोबीच्या सर्वोत्तम बियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे फुलकोबीचे बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे बियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या फुलकोबीच्या बियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

फुलकोबी हायब्रीड	हाइब्रिड . मेपल, नायरा	हाइब्रिड . सेलेना, सोफिया									
कालावधी	85-95 दिवसांनी	95-105 दिवसांनी									
खरीप	मे-जून	जुलै - ऑगस्ट									
रब्बी		रब्बीच्या आधी									
वसंत ऋतू	होय										
सिंचनाचा स्रोत	जमीन	जमीन									

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्राची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र	फुलकोबीला थंड तापमानाची आवश्यकता असते, वाढ आणि फुलोरा तयार होण्यासाठी इष्टतम श्रेणी अंदाजे 15- 21°C असते. थोड्या जास्त तापमानासाठी योग्य असलेल्या जाती विकसित केल्या गेल्या आहेत आणि संबंधित झोनसाठी या जातीच्या योग्यतेसाठी पुरवठादाराशी संपर्क साधणे अत्यंत महत्वाचे आहे.
2	जमीन/ माती	हलकी माती लवकर पिकांसाठी योग्य असते तर चिकणमाती ते चिकणमाती माती मध्य आणि उशिरा हंगामातील पिकांसाठी योग्य असते मातीचा इष्टतम मातीचा pH 5.5 ते 6.0 असतो.
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	भारतात अनेक ऋतूंमध्ये लागवड केली जाते. मे ते ऑगस्ट दरम्यान लागवड केलेल्या लवकर हंगामाच्या जाती, सप्टेंबर ते ऑक्टोबर दरम्यान मुख्य हंगामाच्या जाती आणि ऑक्टोबर ते डिसेंबर दरम्यान उशिरा हंगामाच्या जाती.
4	बियाण्याचा दर/एकर	120-160 ग्रॅम/एकर. बियाण्याचा दर जातीवर अवलंबून असतो
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	जमिनीची खोलगट मशागत करावी आणि शेणखत किंवा कंपोस्ट वापरावे. माती परीक्षणाच्या निकालानुसार दर 3 वर्षांनी विरविलेला चुना वापरण्याचा सल्ला दिला जातो. लागवडीच्या किमान 30 दिवस आधी चुना लावावा.
6	अंतर	(प्रत्येक वाफ्यामध्ये x प्रत्येक रोपांदरम्यान): 60 सेमी x 30 सेमी
7	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	शेणखत 10 टन, नत्र 80 किलो, P205 60 किलो आणि पालाश 20 किलो/हेक्टर. अर्धे नत्र आणि पूर्ण शेणखत, P205 आणि पालाश 20 हा मूलभूत डोस म्हणून द्यावे आणि उर्वरित अर्धे नत्र लावणीनंतर 30 दिवसांनी (माती भरताना) वर घालावे.
8	पेरणीपूर्वी बियाणांवर प्रक्रिया	बियाण्यांवर कॅप्टन 2 ग्रॅम/किलो या प्रमाणात प्रक्रिया केली जाते.
10	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	लागवडीनंतर लगेचच, रोपे तयार होईपर्यंत थोडेथोडे पाणी द्यावे आणि त्यानंतर आवश्यकतेनुसार पाणी द्यावे. जमिनीत पाण्याची उपलब्धता एकसारखी असावी.
11	खुरपणी/ आंतरमशागत	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर 30 आणि 60 दिवसांनी माती भरणे.
12	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	डोंगराळ प्रदेशासाठी (i) बोरॉन 3000 ppm (3 ग्रॅम/लिटर) रोप लावणीनंतर 30 दिवसांनी 650 लिटर स्प्रे द्रावण/हेक्टर या प्रमाणात पानांवर फवारणी म्हणून करावी. (बोरॅक्समध्ये नत्रयुक्त बोरॉनचे प्रमाण 11.3% आणि बोरिक आम्ल 17.5% असते.) (ii) शिफारशीनुसार लागवडीनंतर 32-45 दिवसांनी व्यावसायिक सूक्ष्म पोषकद्रव्य दोन भागांमध्ये वापरा.
13	कीटक आणि रोग नियंत्रण	सुरवंट आणि पाने खाणारे इतर कीटक: एमामेक्टिन बेंझोएट 5% SG (0.5 ग्रॅम/लिटर) फवारणी करा. शेतातील किडे, कुरतडणारी अळी, लाल मुंग्या आणि इतर मातीतील कीटक: फ्लुबेन्डियामाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन 5.56 % भा/आ SC (0.5 मिली/लिटर) काळा कुजवा: लागवडीनंतर स्ट्रेप्टोमायसिनच्या 100-200 ppm द्रावणाने ((0.1-0.2 ग्रॅम/लिटर) माती भिजवा. पाने खाणारी आळी: अबामेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), फुलकिडे / मावा: फ्लोनिकामिड 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लिटर) किंवा फ्लुबेन्डियामाइड 8.33 % + डेल्टामेथ्रिन 5.56 % भा/आ SC (0.5 मिली/लिटर) फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा डेल्टा मिथ्रिन 1 मिली/लिटर शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
14	कापणी	काढणीचा कालावधी जातीप्रमाणे 90 ते 100 दिवसांचा असतो. काढणीसाठी घट्ट, दाट व पांढऱ्या रंगाचे गाभे निवडावेत. फुलोरा सैल होऊ देऊ नये. काढणी करताना गाभ्याच्या खालून देठ कापावा किंवा वाकवून काढावा.
15	अपेक्षित उत्पन्न	उत्पादन हे जातीवर अवलंबून असते. सुरुवातीच्या हंगामातील जातीचे सरासरी उत्पादन 3.5 ते 5 टन असू शकते तर उशिरा येणाऱ्या जातींसाठी आदर्श परिस्थितीत ते प्रति एकर 10-12 टनांपर्यंत वाढू शकते.
17	साठवणूक	काढणीनंतर फुलकोबी 95 ते 98 टक्के सापेक्ष आर्द्रता असलेल्या थंड व दमट ठिकाणी साठवावा. साठवणीपूर्वी गाभ्यास कोणतेही फूट किंवा नुकसान झालेले नसल्याची खात्री करावी.
18	करू नका	विशेषतः पिकलेल्या गाभ्यांना जास्त पाणी देऊ नये, कारण त्यामुळे गाभा फुटण्याची शक्यता वाढते. काढणीच्या काळात नायट्रोजनचे प्रमाण जास्त नसावे, कारण त्यामुळे मावा वाढून फुलोऱ्यावर प्रतिकूल परिणाम होऊ शकतो.
19	करा	

नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.

ಹೂಕೋಸು - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಹೂಕೋಸು ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಹೂಕೋಸು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಸಂಸ್ಥೆಯು ದೃಢವಾದ ಪರಿಣತಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್‌ನ ಹೂಕೋಸು ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ.
ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಹೂಕೋಸು	**ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಮೇಪಲ್, ನಾಯರಾ**	**ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಸೆಲೆನಾ, ಸೋಫಿಯಾ**										
ಅವಧಿ	85-95 ದಿನಗಳು	95-105 ದಿನಗಳು										
ಮುಂಗಾರು	ಮೇ-ಜೂನ್	ಜುಲೈ-ಆಗಸ್ಟ್										
ಹಿಂಗಾರು		ಆರಂಭಿಕ ರಾಬಿ										
ವಸಂತ	ಹೌದು											
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ನೆಲ	ನೆಲ										

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	**ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ**	**ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು**
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಹೂಕೋಸಿಗೆ ತಂಪಾದ ತಾಪಮಾನದ ಅಗತ್ಯವಿದೆ, ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಮೊಗ್ಗು ರಚನೆಗೆ ಸೂಕ್ತ ವ್ಯಾಪ್ತಿ ಸರಿಸುಮಾರು 15-21°C ಆಗಿದೆ. ಸ್ವಲ್ಪ ಹೆಚ್ಚಿನ ತಾಪಮಾನಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ತಳಿಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ, ಮತ್ತು ಆಯಾ ವಲಯಗಳಿಗೆ ತಳಿಯ ಸೂಕ್ತತೆಯನ್ನು ಪೂರೈಕೆದಾರರೊಂದಿಗೆ ಪರಿಶೀಲಿಸುವುದು ಬಹಳ ಮುಖ್ಯವಾಗಿದೆ.
2	ಭೂಮಿ/ ಮಣ್ಣು	ಲಘು ಮಣ್ಣು ಆರಂಭಿಕ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ, ಆದರೆ ಲೋಮ್ ನಿಂದ ಜೇಡಿಮಣ್ಣು ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣು ಮಧ್ಯ ಮತ್ತು ತಡ-ಋತುವಿನ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ. ಮಣ್ಣು ಸೂಕ್ತ ಮಣ್ಣಿನ pH 5.5 ರಿಂದ 6.0 ಆಗಿದೆ.
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ಋತುಗಳಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಲಾಗುತ್ತದೆ. ಆರಂಭಿಕ-ಋತುವಿನ ತಳಿಗಳನ್ನು ಮೇ ನಿಂದ ಆಗಸ್ಟ್‌ವರೆಗೆ ನೆಡಲಾಗುತ್ತದೆ, ಮುಖ್ಯ-ಋತುವಿನ ತಳಿಗಳನ್ನು ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ನಿಂದ ಅಕ್ಟೋಬರ್‌ವರೆಗೆ, ಮತ್ತು ತಡ-ಋತುವಿನ ತಳಿಗಳನ್ನು ಅಕ್ಟೋಬರ್ ನಿಂದ ಡಿಸೆಂಬರ್‌ವರೆಗೆ ನೆಡಲಾಗುತ್ತದೆ.
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ/ ಎಕರೆಗೆ	120-160 ಗ್ರಾಂ/ಎಕರೆ. ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣವು ತಳಿಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿರುತ್ತದೆ
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	ಭೂಮಿಯನ್ನು ನುಣ್ಣಗೆ ಹದಗೊಳಿಸಿ, FYM ಅಥವಾ ಕಾಂಪೋಸ್ಟ್ ಅನ್ನು ಹಾಕಬೇಕು. ಮಣ್ಣಿನ ಪರೀಕ್ಷಾ ವರದಿಗನುಗುಣವಾಗಿ ಪ್ರತಿ 3 ವರ್ಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಸುಣ್ಣ ಹಾಕುವುದು ಸೂಕ್ತ. ಸುಣ್ಣವನ್ನು ನಾಟಿ ಮಾಡುವ ಕನಿಷ್ಠ 30 ದಿನಗಳ ಮೊದಲು ಹಾಕಬೇಕು.
6	ಅಂತರ	(ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ × ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ): 60 ಸೆಂ.ಮೀ.×30 ಸೆಂ.ಮೀ
7	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಹಸುವಿನ ಗೊಬ್ಬರ @ 10 ಟನ್, ಸಾರಜನಕ 80 ಕೆಜಿ, ರಂಜಕ 60 ಕೆಜಿ ಮತ್ತು ಪೊಟ್ಯಾಶ್ 20 ಕೆಜಿ/ಹೆಕ್ಟೇರ್. N ಅರ್ಧದಷ್ಟು ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು FYM, P_2O_5 ಮತ್ತು K_2O ನ ಸಂಪೂರ್ಣ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಆರಂಭಿಕ ಡೋಸ್ ಆಗಿ ಹಾಕಿ, ಉಳಿದ ಅರ್ಧದಷ್ಟು ಸಾರಜನಕವನ್ನು ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ (ಮಣ್ಣು ಏರಿಸುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ) ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರವಾಗಿ ನೀಡಬೇಕು.
8	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜವನ್ನು ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ 2 g/kg ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ
10	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಬೇಕು, ಮತ್ತು ಸಸಿಗಳು ನೆಲೆಯೂರುವವರೆಗೆ ಇದನ್ನು ಮುಂದುವರೆಸಬೇಕು ಹಾಗೂ ನಂತರ ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಾಗಲೆಲ್ಲ ನೀರಾವರಿ ಒದಗಿಸಬೇಕು. ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ನೀರಿನ ಲಭ್ಯತೆ ಏಕರೂಪವಾಗಿರಬೇಕು.
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು.
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ :(i) ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್‌ಗೆ 650 ಲೀಟರ್ ಸಿಂಪಡಣಾ ದ್ರಾವಣದಲ್ಲಿ 3000 ppm (3 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಬೋರಾನ್ ಅನ್ನು ಎಲೆಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ. (ಸೂಚನೆ: ಬೋರಾಕ್ಸ್‌ನಲ್ಲಿ ಬೋರಾನ್ ಅಂಶ 11.3% ಮತ್ತು ಬೋರಿಕ್ ಆಮ್ಲದಲ್ಲಿ 17.5% ಇರುತ್ತದೆ.)(ii) ವಾಣಿಜ್ಯ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಸೂತ್ರೀಕರಣವನ್ನು ಶಿಫಾರಸ್ಸಿನ ಪ್ರಕಾರ, ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 32–45 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಎರಡು ಕಂತುಗಳಲ್ಲಿ ನೀಡಿ.
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಮರಿಹುಳುಗಳು ಮತ್ತು ಇತರ ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟಗಳು: ಎಮಮೆಕ್ಟಿನ್ ಬೆಂಜೊಯೇಟ್ 5% SG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು ಫ್ಲುಬೆಂಡಿಯಾಮೈಡ್ 8.33 % + ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56 % w/w ಎಸ್.ಸಿ. (ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್‌ಗೆ 0.5 ಮಿ.ಲೀ.) ಅನ್ನು ಬೆಳಕುಪ್ಪಟೆ, ಕಟ್‌ವರ್ಮ್, ಕೆಂಪು ಇರುವೆಗಳು ಮತ್ತು ಇತರ ಮಣ್ಣಿನ ಕೀಟಗಳಿಗೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಕಪ್ಪು ಕೊಳೆ ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ನಂತರ 100–200 ppm ದ್ರಾವಣದೊಂದಿಗೆ (0.1–0.2 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಸ್ಟ್ರೆಪ್ಟೋಮೈಸಿನ್‌ನಿಂದ ಮಣ್ಣನ್ನು ನೆನೆಸಿ. ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ: ಅಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್), ಎಲೆ ತಿಗಣೆ/ಗಿಡಹೇನುಗಳು: ಫ್ಲೋನಿಕಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಫ್ಲುಬೆಂಡಿಯಮೈಡ್ 8.33% + ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ: ಫೆರೋಮೋನ್ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ. ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
14	ಕೊಯ್ಲು	ಕೊಯ್ಲಿನ ಸಮಯವು ತಳಿಗೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ 90 ರಿಂದ 100 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ವ್ಯತ್ಯಾಸಗೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಗಟ್ಟಿ, ಸಾಂದ್ರ ಮತ್ತು ಬಿಳಿಯ ತಲೆಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ. ದಯವಿಟ್ಟು ಕಡು ಸಡಿಲವಾಗಲು ಬಿಡಬೇಡಿ. ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡುವಾಗ, ದಯವಿಟ್ಟು ತಲೆಯ ಕೆಳಗಿರುವ ಕಾಂಡವನ್ನು ಕತ್ತರಿಸಿ, ಅಥವಾ ಅದನ್ನು ಬಾಗಿಸಿ ಮುರಿದು ತೆಗೆಯಿರಿ.
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಇಳುವರಿಯು ತಳಿಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿರುತ್ತದೆ. ಆದರ್ಶ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ, ಆರಂಭಿಕ ಋತುವಿನ ತಳಿಯ ಸರಾಸರಿ ಇಳುವರಿ ಎಕರೆಗೆ 3.5 ರಿಂದ 5 ಟನ್‌ಗಳು ಇರಬಹುದು, ಆದರೆ ತಡವಾದ ತಳಿಗಳಿಗೆ ಇದು 10-12 ಟನ್‌ಗಳವರೆಗೆ ಹೋಗಬಹುದು.
17	ಶೇಖರಣೆ	ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರ, ಹೂಕೋಸನ್ನು ಶೇ. 95-98 ರಷ್ಟು ಸಾಪೇಕ್ಷ ಆರ್ದ್ರತೆ ಇರುವ ತಂಪಾದ, ತೇವಾಂಶವುಳ್ಳ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಬೇಕು. ಸಂಗ್ರಹಣೆಯ ಮೊದಲು ಕಡುಗಳು ಗಾಯ ಅಥವಾ ಹಾನಿಯಿಂದ ಮುಕ್ತವಾಗಿರುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಅತಿಯಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಬೇಡಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಕ್ಯಾಬೇಜ್ ತಲೆಯು ಪಕ್ವವಾಗುವ ಹಂತದಲ್ಲಿ, ಏಕೆಂದರೆ ಇದು ತಲೆ ಬಿರುಕು ಬಿಡಲು ಕಾರಣವಾಗಬಹುದು. ಕೊಯ್ಲಿನ ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿ ಅಧಿಕ ಸಾರಜನಕ ನೀಡುವುದು ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ಬೇಡ, ಏಕೆಂದರೆ ಇದು ಹೇನುಗಳ ಹೆಚ್ಚಳಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಾಗಬಹುದು ಮತ್ತು ಕಡಿನ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

కాలీఫ్లవర్ లో- పాటించాల్సిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిఫుల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన కాలీఫ్లవర్ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన కాలీఫ్లవర్ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిఫుల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిఫుల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిఫుల్ కాలీఫ్లవర్ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.
అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ కాలీఫ్లవర్	మైపాల్, నయారా	సెలెనా, సోఫియా										
కాలము పరిమితి	85-95 DAS	95-105 DAS										
ఖర్ఫ్	మే-జూన్	జులై-ఆగష్ట్										
రబీ		రబీలో తొందరగా										
వసంత కాలము	అవును											
నీటి పారుదల వనరు	గ్రౌండ్	గ్రౌండ్										

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	కాలీఫ్లవర్ కి చల్లని ఉష్ణోగ్రతలు కావాలి, దీనికి దాదాపుగా 15- 21°C సరైన శ్రేణి ఉష్ణోగ్రత ఎదుగుదలకి మరియు కర్డ్ ఏర్పడడానికి అవసరము అవుతాయి. అధిక ఉష్ణోగ్రతలకి పనికి వచ్చే వంగడాలు రూపొందించవచ్చు, మరియు మీకు వంగడాలు సరఫరా చేసే వ్యక్తితో సంబంధిత జోన్ల ఆధారముగా వంగడాల అనుకూలతను చెక్ చేసుకోండి.
2	భూమి/మట్టి	తొందరగా పంటను వేస్తే తేలికగా వుండే మట్టి నేలలు, సీజన్ మధ్యలో మరియు ఆలస్యముగా పంటను వేస్తే లోమీ నుంచి బంక మట్టి నేలలు సరిపోతాయి. మట్టి మట్టికి సరిపడిన pH 5.5 నుంచి 6.0 వుండాలి.
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	భారతదేశములో వివిధ సీజన్లలో దీనిని పండిస్తారు. సీజనులో-తొందరగా నాటే వంగడాలను మే నుంచి ఆగష్ట్ లో, ప్రధాన-సీజన్ వంగడాలను సెప్టెంబర్ నుంచి అక్టోబర్ లో, మరియు సీజనులో-ఆలస్యముగా నాటే వంగడాలను అక్టోబర్ నుంచి డిసెంబర్ లో నాటుతారు.
4	ఎకరానికి/విత్తనము రేట్	120-160 గ్రాములు/ఎకరానికి. వంగడము మీద విత్తనము రేట్ ఆధారపడి వుంటుంది
5	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	పొలమును మంచి నాణ్యత కలిగిన దాని లాగా తయారు చేయాలి మరియు దానికి ఎఫ్వైఎం లేదా కాంపోస్ట్ అప్లై చేయాలి. మట్టి యొక్క టెస్ట్ ఫలితాల ఆధారముగా దానికి ప్రతి 3 సంవత్సరాలకి తడి సున్నము అప్లై చేయాలని సూచించడము జరిగినది. నాటడానికి కనీసము 30 రోజుల ముందు తడి సున్నమును అప్లై చేయాలి.
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	(రో నుంచి రో x మొక్క నుంచి మొక్క): 60 cm x 30 cm
7	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	ఎఫ్వైఎం (FYM) @ 10 టన్నులు, N 80 కిలోలు, P205 60 కిలోలు మరియు K20 కిలోలు/హెక్టార్. N లో సగము మరియు ఎఫ్వైఎం (FYM), P205 మరియు K20 యొక్క పూర్తి డోసులను బేసల్ డోస్ గా అప్లై చేయాలి మరియు మిగిలిన సగము N ని టాప్ డ్రెస్సింగ్ గా నాటిన 30 రోజుల తరవాత (మొక్కల దగ్గర మట్టిని ఎత్తు చేసే సమయములో) వేయాలి.
8	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చేయడము	విత్తనాలను కిలో/2 గ్రాముల కాప్టాన్ తో శుద్ధి చేయాలి
10	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత, తేలికగా నీటిని పెట్టాలి మరియు మొలకలు తట్టుకుని నిలబడే వరకూ ఇది కొనసాగించాలి మరియు ఎప్పుడు అవసరము అయితే అప్పుడు తదనుసారముగా నీటిని పెట్టాలి. మట్టిలో నీటి లభ్యత సమానముగా వుండాలి.
11	కలుపు మొక్కలు తియడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ప్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. విత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి.
12	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	కొండ జోన్ లో (i) 3000 ppm (3గ్రాములు/లీటరు) లెక్క బోరాన్ అప్లై చేయండి ఇది మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత 30 రోజులకి ఆకుల మీద పిచికారీ చేయాలి @ 650 లీటర్ల పిచికారీ ద్రావకము/హెక్టారు (ఎన్. బి. (N. B.) బోరాన్ అంటే బోరాక్స్ 11.3% మరియు బోరిక్ యాసిడ్ 17.5%.) (ii) ఇచ్చిన సూచనల ప్రకారము మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత 32-45 రోజులకి కమర్షియల్ సూక్ష్మపోషకాల ఫార్ములేషనుని రెండు దఫాలుగా అప్లై చేయాలి.
13	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	గొంగళి పురుగులు మరియు ఆకులను తినే ఇతర పురుగులు: ఎమామెక్టిన్ బెన్జోయేట్ 5% SG (0.5 గ్రాములు/లీటరు) పిచికారీ చేయండి పొలములో-క్రికెట్ పురుగులు, కత్తెర పురుగులు, ఎర్ర చీమలు మరియు ఇతర మట్టి కీటకాలు: ఫ్లూబెన్డియామైడ్ 8.33 % +డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (0.5 ml/లీటరు) అప్లై చేయండి నల్ల కుళ్ళు తెగులు: మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత స్ట్రెప్టోమైసిన్ 100-200 ppm ద్రావకము (0.1-0.2 గ్రాములు/లీటరు) తో మట్టిని డ్రెంచ్ చేయండి. ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), తామర పురుగులు/పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (0.5 గ్రాములు/లీటరు) లేదా ఫ్లూబెన్డియామైడ్ 8.33 % + డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (0.5 ml/ లీటరు) పండు ఈగ: ఫెరమోన్ ట్రాప్ను ఉపయోగించండి. డెల్టా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్లను సంప్రదించండి.
14	కోత	వంగడము రకమును బట్టి 90-100 రోజుల మధ్యలో కోత సమయము వుంటుంది. గట్టిగా, కంపాక్ట్ గా మరియు తెల్లని తలలను కోత కోయండి. కర్డ్ లూజుగా మారకుండా దయచేసి చూసుకోండి. కోత కోసే సమయములో, దయచేసి తల క్రింద కాడను కట్ చేయండి, లేదా దానిని వంచి తలను విరవండి.
15	ఆశించే దిగుబడి	వంగడము మీద ఆధారపడి దిగుబడి వుంటుంది, సీజనులో తొందరగా వేసే వంగడాలకి 3.5 నుంచి 5 టన్నుల సగటు దిగుబడి, ఆలస్యముగా వేసే వంగడాలకు 10-12 టన్నులు ఎకరానికి దిగుబడి వుండవచ్చు, సరైన పరిస్థితుల్లో.
17	స్టోర్ చేయడము	కోత తరవాత, కాలీఫ్లవర్ ని చల్లని, తేమ ప్రదేశములో 95-98% రిలేటివ్ తేమలో స్టోర్ చేయాలి. స్టోర్ చేసే ముందు కర్లులు పాడైపోవడము లేదా దెబ్బతినడము లేకుండా వున్నాయని ధృవీకరించుకోండి.
18	చేయకూడనివి	తలలు పక్వముకి వచ్చే సమయములో ముఖ్యముగా, అధికముగా నీరు పెట్టకండి, ఇది తల భాగము చిలిపోయేలా చేయవచ్చు. కోత సమయము దగ్గరలో వున్నప్పుడు అధికముగా నత్రజని ఇవ్వకండి, ఇది పేను బంక ఆశించేలా చేసి కాలీఫ్లవర్ కర్లులు చిలిపోయేలా చేస్తుంది
19	చేయవలసినవి	
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds INDUS SEEDS

காளி ஃபிளவர் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த காளி ஃபிளவர் விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். உயர் தர காளி ஃபிளவர் விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் காளி ஃபிளவர் விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.

மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு காளி ஃபிளவர்	Hyb. மேப்பிள், நைரா	Hyb. செலினா, சோ ஃபியா									
காலம்	85-95 நாட்கள்	95-105 நாட்கள்									
காரீப்	மே- ஜூன்	ஜூலை - ஆகஸ்ட்									
ராபி		முன் ராபி காலம்									
வசந்த காலம்	ஆம்										
பாசன ஆதாரம்	நிலம்	நிலம்									

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/ விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	காளி ஃபிளவருக்கு குளிர்ந்த வெப்பநிலைகள் தேவைப்படுகிறது, தோராயமாக 15- 21°C என்பது வளர்ச்சி மற்றும் பூ உருவாக்கத்திற்கான சாதகமான வரம்பு ஆகும். சிறிது அதிக வெப்பநிலைகளுக்கு ஏற்ற வகைகள் உருவாக்கப்பட்டுள்ளன. மேலும், தொடர்புடைய பகுதிகளுக்கு வகை பொருந்துமா என்பதை உற்பத்தியாளரிடம் கேட்டு அறிவது மிகவும் முக்கியம்.
2	நிலம்/ மண்	தொடக்க பயிர்களுக்கு மணலான மண் பொருந்தும். அதேநேரம் பின் பருவப் பயிர்களுக்கு பசளை முதல் களிமண் போன்ற பசளை மண் ஏற்றது. மண் சாதகமான மண்ணின் pH 5.5 முதல் 6.0 ஆகும்.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	இந்தியாவில் பல பருவங்களில் விளைகிறது. முன்-பருவகால வகைகள் மே முதல் ஆகஸ்ட் வரையும், முதன்மை-பருவ வகைகள் செப்டம்பர் முதல் அக்டோபர் வரையும், மற்றும் பின்-பருவ வகைகள் அக்டோபர் முதல் டிசம்பர் வரையும் பயிரிடப்படுகின்றன.
4	விதை வீதம்/ ஏக்கர்	ஏக்கருக்கு 120-160 கிராம்கள் போட வேண்டும். வகையைச் சார்ந்தே விதை வீதம் உள்ளது.
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	நிலமானது நன்கு உழப்பட்டு தயாரிக்கப்பட வேண்டும் மற்றும் எஃப்ஒய்எம் (FYM) அல்லது எருவைப் போட வேண்டும். மண் பரிசோதனை முடிவைப் பொறுத்து ஒவ்வொரு 3 வருடங்களுக்கும் நீர்த்த சுண்ணாம்பைப் போட வேண்டும் என அறிவுறுத்தப்படுகிறது. பயிரிடுவதற்கு குறைந்தது 30 நாட்களுக்கு முன் சுண்ணாம்பு போடப்பட வேண்டும்.
6	இடைவெளி	(வரிசை முதல் வரிசை வரை x தாவரம் முதல் தாவரம் வரை): 60 செமீ x 30 செமீ
7	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	ஒரு ஹெக்டேருக்கு தொழு உரம் FYM @ 10 டன், N 80 கிலோ., P205 60 கிலோ and K20 kg போட வேண்டும். அரையளவு N மற்றும் தொழு உரம் FYM, P205 and K20 முழு அளவுகள் அடியுரமாக போட வேண்டும். மேலும், மீதமுள்ள அரையளவு N மேல் உரமாக நடவு செய்த 30 நாட்கள் கழித்து போட வேண்டும் (மண்ணைக் குவிக்கும்போது).
8	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	கிலோகிராமுக்கு 2 கிராம் வீதம் விதைகளை காப்டான் உடன் கலக்க வேண்டும்
10	பாசன அட்டவணை	பதியம் போட்ட உடனே, ஒரு லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும் மற்றும் நாற்றுகள் வளரும் வரை இதை தொடர வேண்டும். மேலும், தேவைப்படும் போதெல்லாம் தொடர் பாசனம் செய்யப்பட வேண்டும். மண்ணில் நீர் இருப்பு சமமாக இருக்க வேண்டும்.
11	களை அகற்றுதல்/ ஊடு பயிரிடுதல்	இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 மற்றும் 60 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணைக் குவித்திடுங்கள்.
12	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	மலை பகுதிக்கு (i) பதியம் போட்ட பின் ஹெக்டேருக்கு @650 லிட்டர் தெளிப்பு கரைசல் என 3000 பிபிஎம் (லிட்டருக்கு 3 கிராம்) போரானை இலை தெளிப்பாக போட வேண்டும். (போரக்ஸ் உள்ள N. B. போரான் அளவு 11.3% மற்றும் போரிக் அமிலம் 17.5% ஆகும்.) (ii) பரிந்துரையின் படி, பதியம் போட்ட பின் 32-45 நாட்களில் இரண்டு பகுதிகளாக வணிக நுண்ணூட்ட தயாரிப்பைப் போட வேண்டும்.
13	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	கம்பளிப்பூச்சிகள் மற்றும் பிற இலை உண்ணும் பூச்சிகள்: எமாமெக்டின் பென்சோயேட் 5% எஸ்ஜி (SG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) தெளியுங்கள் நிலத்தில் உள்ள-சில்வண்டு, வெட்டுப்புழு, சிவப்பு எறும்புகள் மற்றும் பிற மண்ணில் உள்ள பூச்சிகள்: ஃப்ளூபென்டியாமைடு 8.33 % + டெல்டாமெத்ரின் 5.56 % w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) போட வேண்டும். கருப்பு அழுகல் நோய்: பதியம் போட்ட பின் 100-200 பிபிஎம் (ppm) (லிட்டருக்கு 0.1-0.2 கிராம்) ஸ்ட்ரெப்டோமைசின் கரைசலை மண்ணில் தெளியுங்கள். இலை துளைப்பான்: அபாமெக்டின் 1.8% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மிலி), இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ஃப்ளோனிகாமிட் 50% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) அல்லது ஃப்ளூபென்டியாமைடு 8.33 % + டெல்டாமெத்ரின் 5.56 % w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) பழ ஈ: பெரோமோன் டிராப்களைப் பயன்படுத்துங்கள். டெல்டா மெத்ரின் லிட்டருக்கு 1 மிலி நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
14	அறுவடை	வகையைப் பொறுத்து 90-100 நாட்களுக்குள் அறுவடை காலம் மாறுபடலாம். உறுதியாக, அளவாக, மற்றும் வெள்ளையாக இருக்கும் தலைப்பகுதிகளை அறுவடை செய்யுங்கள். பூ தளர்வாக மாற விடாதீர்கள். அறுவடையின் போது, தலைப்பகுதிக்கு கீழே உள்ள தண்டை வெட்டுங்கள் அல்லது வளைத்து உடைத்திடுங்கள்.
15	எதிர்பார்க்கப்படும் மகசூல்	மகசூல் என்பது வகையைச் சார்ந்து உள்ளது, முன் பருவ வகை 3.5 முதல் 5 டன் சராசரி மகசூலைத் தரலாம். அதேநேரம், சாதகமான நிலைகளில், பின் பருவ வகைகள் ஒரு ஏக்கருக்கு 10-12 டன் மகசூலை அளிக்கலாம்.
17	சேமிப்பகம்	அறுவடைக்குப் பின், காளி ஃபிளவரை ஒரு குளிர்ந்த, ஈரமான 90-95% ஒப்பீட்டு ஈரப்பதம் கொண்ட இடத்தில் சேமித்து வைக்க வேண்டும். சேமிப்பதற்கு முன், பூக்கள் காயங்கள் அல்லது சேதம் இல்லாமல் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்.
18	செய்யக்கூடாதவை	தலைப்பகுதி உடைவதற்கான வாய்ப்புகள் உள்ளது என்பதால், குறிப்பாக தலைப்பகுதி முதிர்வடையும் போது, அதிக நீர் பாய்ச்ச வேண்டாம். அறுவடை நெருங்கும் சமயத்தில் அதிகப்படியான நைட்ரஜனைக் கண்டிப்பாக போடக்கூடாது. ஏனென்றால், இது செடிப்பேன் வளர்ச்சிக்கு வித்திட்டு பூக்களை உடைத்துவிடலாம்.
19	செய்ய வேண்டியவை	
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED & PLANT SCIENCE

ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀਆਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਕਿਸਮ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੇ ਬੀਜ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਸ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਮੇਪਲ' ਨਾਯਰਾ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸੇਲੇਨਾ' ਸੋਫਿਯਾ										
ਮਿਆਦ	85-95 DAS	95-105 DAS										
ਖ਼ਰੀਫ	ਮਈ-ਜੂਨ	ਜੁਲਾਈ - ਅਗਸਤ										
ਰਬੀ		ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਰਬੀ										
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਹਾਂ											
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ										

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਠੰਡਾ ਮੌਸਮ ਪਸੰਦ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦਾ ਤਾਪਮਾਨ 15-21°C ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਵਾਧੇ ਅਤੇ ਫੁੱਲਾਂ ਲਈ ਆਦਰਸ਼ ਮੰਨਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕੁਝ ਉੱਚ-ਤਾਪਮਾਨ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿਕਸਤ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਆਪਣੇ ਖੇਤਰ ਲਈ ਕਿਸਮ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ ਬਾਰੇ ਆਪਣੇ ਬੀਜ ਸਪਲਾਇਰ ਨਾਲ ਸਲਾਹ ਕਰੋ।
2	ਜ਼ਮੀਨ/ਮਿੱਟੀ	ਹਲਕੀ ਮਿੱਟੀ ਅਗੇਤੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਢੁਕਵੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ, ਦੋਮਟ ਤੋਂ ਚੀਕਣੀ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟੀ ਮੱਧ ਅਤੇ ਦੇਰ ਦੇ ਮੌਸਮ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ pH 5.5 ਤੋਂ 6.0 ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਕਈ ਮੌਸਮਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜਲਦੀ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਮਈ ਤੋਂ ਅਗਸਤ ਤੱਕ, ਮੁੱਖ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਸਤੰਬਰ ਤੋਂ ਅਕਤੂਬਰ ਤੱਕ ਅਤੇ ਦੇਰ ਨਾਲ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਅਕਤੂਬਰ ਤੋਂ ਦਸੰਬਰ ਤੱਕ ਲਗਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ/ਏਕੜ	120-160 ਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ। ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ ਕਿਸਮ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦੀ ਹੈ।
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਹੀ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿੱਚ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਜਾਂ ਖਾਦ ਪਾ ਕੇ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਪਰਖ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਹਰ 3 ਸਾਲਾਂ ਬਾਅਦ ਸਲੇਕਡ ਚੂਨਾ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 30 ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਚੂਨਾ ਲਗਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	(ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ x ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟਾ): 60 ਸੈ.ਮੀ. x 30 ਸੈ.ਮੀ.
7	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	FYM @ 10 ਟਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ, ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ 80 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ, P205 60 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਅਤੇ K20 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ। ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਦੀ ਅੱਧੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ, P205 ਅਤੇ K20 ਦੀ ਪੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਬੇਸਲ ਖਾਦ ਵਜੋਂ ਪਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਅੱਧੀ ਮਾਤਰਾ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ (ਮਿੱਟੀ ਲਗਾਉਣ ਵੇਲੇ) ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ ਵਜੋਂ ਪਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
8	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜ 'ਤੇ ਕੈਪਟਨ 2 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।
10	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਰੋਪਣ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ, ਹਲਕਾ ਪਾਣੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬੂਟੇ ਸਥਾਪਤ ਹੋਣ ਤੱਕ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਉਪਲਬਧਤਾ ਇਕਸਾਰ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
11	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ।
12	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਲਈ (i) ਬੋਰਾਨ 3000 ppm (3 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨੂੰ ਪੱਤਿਆਂ 'ਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ 650 ਲੀਟਰ ਛਿੜਕਾਅ ਘੋਲ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਰੋਪਣ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਲਗਾਓ। (ਨੋਟ: ਬੋਰਾਕਸ ਵਿੱਚ 11.3% ਬੋਰਾਨ ਅਤੇ 17.5% ਬੋਰਿਕ ਐਸਿਡ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।) (ii) ਰੋਪਣ ਤੋਂ 32-45 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਦੋ ਖੁਰਾਕਾਂ ਵਿੱਚ ਵਪਾਰਕ ਸੂਖਮ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤ ਫਾਰਮੂਲੇ ਲਗਾਓ।
13	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਸੁੰਡੀਆਂ ਅਤੇ ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਹੋਰ ਕੀੜੇ: ਐਮਾਮੇਕਟਿਨ ਬੈਂਜੋਏਟ 5% SG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਫੀਲਡ ਕ੍ਰਿਕੇਟ, ਕੱਟ ਵਰਮ, ਲਾਲ ਕੀੜੀਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਕੀੜੇ: ਫਲੂਬੈਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56% SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀ.) ਦੇ ਨਾਲ ਲਗਾਓ ਬਲੈਕ ਰੋਟ: ਰੋਪਾਈ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ 100-200 ppm (0.1-0.2 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਸਟ੍ਰੈਪਟੋਮਾਈਸਿਨ ਘੋਲ ਪਾਓ। ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਥ੍ਰਿਪਸ/ਐਫਿਡਜ਼: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਫਲੂਬੈਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56 % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੋਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਡੈਲਟਾਮੇਥ੍ਰੀਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
14	ਵਾਢੀ	ਵਾਢੀ ਦਾ ਸਮਾਂ ਕਿਸਮ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ 90-100 ਦਿਨਾਂ ਤੱਕ ਵੱਖਰਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਉਸ ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੀ ਕਟਾਈ ਕਰੋ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਪੱਕੇ, ਮਜ਼ਬੂਤ ਅਤੇ ਚਿੱਟੇ ਹੋਣ। ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੇ ਸਿਰ ਨੂੰ ਢਿੱਲਾ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਓ। ਵਾਢੀ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਿਰ ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਡੰਡੀ ਨੂੰ ਕੱਟੋ, ਜਾਂ ਜੇ ਟੁੱਟ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸਨੂੰ ਮੋੜੋ।
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਝਾੜ ਕਿਸਮ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਸੀਜ਼ਨ ਦੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਦਾ ਔਸਤ ਝਾੜ 3.5 ਤੋਂ 5 ਟਨ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਜਦਕਿ ਦੇਰ ਨਾਲ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਲਈ ਇਹ ਆਦਰਸ਼ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ 10-12 ਟਨ ਤੱਕ ਵੱਧ ਸਕਦਾ ਹੈ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਨੂੰ 95-98% ਦੀ ਸਾਪੇਖਿਕ ਨਮੀ ਵਾਲੀ ਠੰਢੀ, ਨਮੀ ਵਾਲੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਸਟੋਰ ਕਰੋ। ਸਟੋਰੇਜ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਗੋਭੀ 'ਤੇ ਕੋਈ ਸੱਟ ਜਾਂ ਨੁਕਸਾਨ ਨਾ ਹੋਵੇ।
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਤੋਂ ਬਚੋ, ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਜਦੋਂ ਬੂਟੇ ਵਧ ਰਹੇ ਹੋਣ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਸਿਰੇ ਫੁੱਟ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਵਾਢੀ ਦੇ ਬਹੁਤ ਨੇੜੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਪਾਉਣ ਤੋਂ ਬਚੋ; ਇਹ ਐਫਿਡਜ਼ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਗੋਭੀ ਦੇ ਸਿਰਾਂ 'ਤੇ ਨਕਾਰਾਤਮਕ ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਾ ਸਕਦਾ ਹੈ
19	ਕੀ ਕਰੋ	
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

ফুলকপি - চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট ফুলকপির বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ফুলকপি বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক সংবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ফুলকপি বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড ফুলকপি	হাইব্রিড. মেপল, নায়রা	হাইব্রিড. সেলেনা, সোফিয়া									
সময়সীমা	85-95 DAS	95-105 DAS									
খরিফ	মে-জুন	জুলাই-আগস্ট									
রবি		দ্রুত রবি									
বসন্ত	হ্যাঁ										
সেচের উৎস	মাঠ	মাঠ									

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/ কৃষি-জলবায়ু জোন	ফুলকপির জন্য বৃদ্ধি এবং কার্ড গঠনের জন্য উপযুক্ত তাপমাত্রার প্রায় 15- 21° C পরিসর সহ, শীতল আবহাওয়া প্রয়োজন। সামান্য বেশি তাপমাত্রার জন্য উপযোগী কিছু জাত উন্নত করা হয়েছে এবং নির্দিষ্ট জোনের উপযোগিতার জন্য জাত নির্বাচনের আগে সরবরাহকারীর সঙ্গে পরামর্শ করা অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ।
2	জমি/ মাটি	হালকা মাটি আগাম ফসলের জন্য উপযুক্ত, দোআঁশ থেকে ভারী দোআঁশ মাটি মাঝামাঝি ও দেরিতে ফলনশীল ফসলের জন্য উপযোগী। মাটি উপযুক্ত মাটির pH 5.5 থেকে 6.0।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	ভারতের বিভিন্ন মরশুমে চাষ করা যায়। আগাম মরশুম জাত মে থেকে আগস্ট পর্যন্ত, মূল মরশুমের জাত সেপ্টেম্বর থেকে অক্টোবর পর্যন্ত, এবং দেরি ফলনশীল জাত অক্টোবর থেকে ডিসেম্বর পর্যন্ত রোপণ করা হয়।
4	বীজের হার/ একর	120-160গ্রাম/ একর। বীজের মান জাতের উপর নির্ভর করে
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটি ভালোভাবে চাষযোগ্য মৃদু তৈলময় করে প্রস্তুত করতে হবে এবং FYM অথবা কম্পোস্ট প্রয়োগ করতে হবে। মাটি পরীক্ষার ফলাফলের অনুযায়ী প্রতি 3 বছরে একবার স্লেকড লাইম প্রয়োগ করা উচিৎ। রোপণের কমপক্ষে 30 দিন আগে চুন প্রয়োগ করা উচিৎ।
6	ফাঁক	(সারি থেকে সারি x উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ): 60 সেন্টিমিটার x 30 সেন্টিমিটার
7	জৈব এবং রাসায়নিক সার	FYM @ 10 t, N 80 কেজি, P205 60 কেজি এবং K20 কেজি/হেক্টর। N এর অর্ধেক এবং FYM, P205 এবং K20 এর সম্পূর্ণ ডোজ বেসাল সার হিসাবে প্রয়োগ করতে হবে এবং বাকি অর্ধেক N রোপণের 30 দিন পরে (মাটি তোলার সময়) উপরের সার হিসেবে দিতে হবে।
8	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজ কাপটান 2 গ্রাম/কেজি সহ প্রক্রিয়াজাত করা হয়
10	সেচের সময়সূচী	প্রতিস্থাপণের ঠিক পরে হালকা জল দেওয়া উচিৎ এবং চারা স্থায়ী হওয়া পর্যন্ত এটি অব্যাহত রাখা উচিৎ পরবর্তীতে প্রয়োজনে সেচ দেওয়া যেতে পারে। মাটিতে জলের সরবরাহ সমানভাবে বজায় রাখা উচিৎ।
11	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন।
12	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	পাহাড়ি জোনের জন্য (i) প্রতিস্থাপণের 30 দিন পর ফলিয়র ছিটান হিসাবে 3000 পিপিএম (3গ্রাম/লিটার) বোরণ প্রয়োগ করুন @ 650 লিটার ছিটান সলিউশন/হেক্টর। (N. B. বোরাক্সে বোরনের পরিমাণ 11.3% এবং বোরিক অ্যাসিডে 17.5%।) (ii) প্রতিস্থাপণের 32-45 দিন পরে পরামর্শ অনুযায়ী বাণিজ্যিক মাইক্রোনিউট্রিয়েন্ট ফর্মুলেশন দুই ভাগে ব্যবহার করুন।
13	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	শুঁয়োপোকা এবং অন্যান্য পাতা খেকো কীটের জন্য: ইমামেকটিন বেনজোয়েট 5% SG (0.5 গ্রাম/লিটার) ছিটান ফিল্ড-ক্রিকেট, কাটওয়ার্ম, লাল পিঁপড়ে এবং অন্যান্য মাটির কীট: ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) কালো দাগ রোগ: প্রতিস্থাপণের পরে মাটিতে স্ট্রেপ্টোমাইসিন 100-200 পিপিএম সলিউশন (0.1-0.2গ্রাম/লিটার) দিয়ে ড্রেঞ্চ করুন। লিফ মাইনার: আবামেক্টিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), থ্রিপস/এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) অথবা ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) ফলের মাছি: ফেরোমোন ট্র্যাপ ব্যবহার করুন। ডেল্টা মেথ্রিন 1মিলিলিটার/লিটার ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
14	ফসল কাটা	ফসল কাটার সময় জাত অনুযায়ী 90-100 দিনের মধ্যে পরিবর্তিত হতে পারে। ফসলের মাথা যখন শক্ত, সঘন এবং সাদা হয়। অনুগ্রহ করে কার্ড ঢিলা হতে দেবেন না। ফসল কাটার সময়, অনুগ্রহ করে মাথার নিচ থেকে কান্ড কেটে নিন, অথবা কান্ড ভেঙে ফেলার জন্য বাঁকিয়ে দিন।
15	প্রত্যাশিত ফলন	ফসলের ফলন জাতের উপর নির্ভর করে, আদর্শ পরিস্থিতিতে, আগাম জাতের গড় ফলন 3.5 থেকে 5 টন হতে পারে, আর দেরিতে ফলনশীল জাতের জন্য এটি 10-12 টন প্রতি একর পর্যন্ত যেতে পারে।
17	সংরক্ষণ	ফসল কাটার পরে, ফুলকপি একটি ঠান্ডা এবং আর্দ্র স্থানে সংরক্ষণ করা উচিৎ, যেখানে আর্দ্রতার মাত্রা 95-98% থাকে। সংরক্ষণ করার আগে নিশ্চিত করুন যে কার্ড কোনো আঘাত অথবা ক্ষতি থেকে মুক্ত।
18	করবেন না	অতিরিক্ত জল দেবেন না, বিশেষ করে ফসলের পরিপক্ক অবস্থায়, কারণ এতে বাঁধাকপির মাথা ফেটে যেতে পারে। ফসল কাটার সময় অতিরিক্ত নাইট্রোজেন দেওয়া সম্পূর্ণভাবে নিষিদ্ধ, কারণ এরফলে এফিডের বৃদ্ধি হতে পারে এবং কার্ডে প্রভাব ফেলতে পারে
19	করবেন	
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds

ଫୁଲକୋବି -ଅଭ୍ୟାସର ପ୍ୟାକେଜ୍

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ ଫୁଲକୋବି ବିହନ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଉଚ୍ଚମାନର ଫୁଲକୋବି ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ଅଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଫୁଲକୋବି ବିହନ ଜୈବିକ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୀକରଣ ଏବଂ ଉତ୍ତମ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରେ।
ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ଫୁଲକୋବି ହାଇବ୍ରିଡ୍	Hyb. ମେପଲ୍, ନାୟରା	Hyb. ସେଲିନା, ସୋଫିଆ									
ଅବଧି	85-95 DAS	95-105 DAS									
ଖରିପ	ମେ- ଜୁନ୍	ଜୁଲାଇ - ଅଗଷ୍ଟ									
ରବି		ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ରବି									
ବସନ୍ତ	ହଁ										
ଜଳସେଚନର ଉ	ଭୂମି	ଭୂମି									

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ଫୁଲକୋବିକୁ ଥଣ୍ଡା ତାପମାତ୍ରାର ଆବଶ୍ୟକ ହୁଏ, ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଫୁଲ ଭାଗ (କର୍ଡ୍) ଗଠନ ପାଇଁ ସର୍ବୋତ୍ତମ ତାପମାତ୍ରା ପ୍ରାୟ 15-21°C ହୋଇଥିବା ଆବଶ୍ୟକ। ସାମାନ୍ୟ ଅଧିକ ତାପମାତ୍ରା ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ କିସମଗୁଡ଼ିକ ବିକଶିତ କରାଯାଇଛି, ଏବଂ ସମ୍ପୃକ୍ତ ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ କିସମର ଉପଯୁକ୍ତତା ବିଷୟରେ ଯୋଗାଣକାରୀଙ୍କ ସହିତ ଯାଞ୍ଚ କରିବା ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଅଟେ।
2	ଭୂମି/ ମାଟି	ହାଲୁକା ମାଟି ଶୀଘ୍ର ଫସଲ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ, ଯେତେବେଳେ କି ଦୋରସାରୁ କାଦୁଅ ମାଟି ମଧ୍ୟମ ଏବଂ ଶେଷ ଫସଲ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ। ମାଟି: ସର୍ବୋତ୍ତମ ମାଟିର ପିଏଚ ହେଉଛି 5.5 ରୁ 6.0
3	ଋତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ	ଭାରତରେ ବଭିନ୍ନ ଋତୁରେ ଚାଷ କରାଯାଏ। ପ୍ରାରମ୍ଭକ ଋତୁ କସମଗୁଡ଼ିକ ମେ ରୁ ଅଗଷ୍ଟ, ମୁଖ୍ୟ ଋତୁ କସମଗୁଡ଼କ ସେପ୍ଟେମ୍ବର ରୁ ଅକ୍ଟୋବର ଏବଂ ବଳମ୍ବିତ ଋତୁର କସମଗୁଡ଼କ ଅକ୍ଟୋବର ରୁ ଡସେମ୍ବର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବୁଣାଯାଏ।
4	ବିହନ ହାର / ଏକର	ଏକର ପ୍ରତି 120-160 ଗ୍ରା; ବିହନ ହାର ପ୍ରଜାତି ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ।
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	ଜମିକୁ ସୂକ୍ଷ୍ମ ଭାବରେ ଢଳାଇ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବା ଉଚିତ ଏବଂ ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍ କିମ୍ବା କମ୍ପୋଷ୍ଟ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଉଚିତ। ମୃତ୍ତିକା ପରୀକ୍ଷା ଫଳାଫଳ ଅନୁସାରେ ପ୍ରତି 3 ବର୍ଷରେ ଥରେ ଚୂନ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଉଚିତ। ଲଗାଇବାର ଅତି କମରେ 30 ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ଚୁନ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଉଚିତ।
6	ବ୍ୟବଧାନ	(ଧାଡିରୁ ଧାଡି x ଗଛରୁ ଗଛ): 60 ସେ.ମି x 30 ସେ.ମି
7	ଖତ ଏବଂ ସାର	ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍ @ 10 ଟନ୍, ନାଇଟ୍ରୋଜେନ (N) 80 କିଗ୍ରା, ପି(P2O5) 60 କିଗ୍ରା ଏବଂ କେ (K) 20 କିଗ୍ରା/ହେକ୍ଟର। ଅଧା ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ଏବଂ ପୂର୍ଣ୍ଣ ମାତ୍ରା ଏଫୱାଇଏମ୍, ପି (P2O5) ଏବଂ କେ(K) ମୂଳ ସାର ଭାବରେ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯିବା ଉଚିତ ଏବଂ ବାକି ଅଧା ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ଲଗାଇବାର 30 ଦିନ ପରେ (ମାଟି ପକାଇବା ସମୟରେ) ଉପରେ ପକାଯିବା ଉଚିତ।
8	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ବିହନକୁ କ୍ୟାପଟାନ୍ 2 ଗ୍ରାମ/କି.ଗ୍ରା. ସହିତ ବିଶୋଧନ କରାଯାଏ।
10	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ଚାରା ଲଗାଇବା ପରେ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ପାଣି ଦେବା ଉଚିତ ଏବଂ ଚାରା ଗଢ଼ିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଜାରି ରଖିବା ଉଚିତ ଏବଂ ଆବଶ୍ୟକ ହେଲେ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ଜଳସେଚନ କରାଯିବା ଉଚିତ। ମାଟିରେ ଜଳର ଉପଲବ୍ଧତା ସମାନ ହେବା ଉଚିତ।
11	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	ଦୁଇଥର ହାତରେ ଘାସ ବାଛିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ। ବୁଣିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ମାଟି ଉଠାଇବା ଦରକାର।
12	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ପାହାଡିଆ ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ (i) ବୋରନ୍ 3000 ପି.ପି.ଏମ୍ (3 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କୁ 650 ଲିଟର ଦ୍ରବଣ ହାରରେ ପ୍ରତି ହେକ୍ଟରରେ ପତ୍ର ସିଞ୍ଚନ ଭାବରେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ। (ଟିପ୍ପଣୀ: ବୋରାକ୍ସରେ 11.3% ବୋରନ୍ ଏବଂ 17.5% ବୋରିକ୍ ଏସିଡ୍ ଥାଏ।) (ii) ସୁପାରିଶ ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରତିରୋପଣର 32-45 ଦିନ ପରେ ବାଣିଜ୍ୟିକ ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ ମିଶ୍ରଣକୁ ଦୁଇଟି ମାତ୍ରାରେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ।
13	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପତ୍ର ଖାଉଥିବା ପୋକ: ଏମାମେକ୍ଟିନ୍ ବେଞ୍ଜୋଏଟ୍ 5% ଏସ.ଜି(SG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ। କ୍ଷେତରେ ଥିବା କୀଟପତଙ୍ଗ, କଟ୍ ୱର୍ମ, ଲାଲ ପିମ୍ପୁଡ଼ି ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ମାଟି କୀଟପତଙ୍ଗ: ଫ୍ଲୁବେଣ୍ଡାମିଡ଼ 8.33% + ଡେଲ୍ଟାମେଥ୍ରିନ୍ 5.56% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ ଏସ.ସି (w/w SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ। କଳା ପଚା: ପ୍ରତିରୋପଣ ପରେ ମାଟିକୁ 100-200 ପିପିଏମ୍ ଦ୍ରବଣ (0.1-0.2 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଷ୍ଟ୍ରେପ୍ଟୋମାଇସିନ୍ ସହିତ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ। ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆବାମେକ୍ଟିନ୍ 1.8% ଇସି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲି/ଲିଟର), ଥ୍ରିପ୍ସ/ଏଫିଡ୍ସ: ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ଼ 50% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କିମ୍ବା ଫ୍ଲୁବେଣ୍ଡାମିଡ଼ 8.33% + ଡେଲ୍ଟାମେଥ୍ରିନ୍ 5.56% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ ଏସସି (w/w SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ। ଡେଲ୍ଟା ମିଥ୍ରିନ୍ 1 ମିଲି/ଲିଟର କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
14	ଅମଳ	ଫସଲର ଅମଳ ସମୟ କିସମ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି 90-100 ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ। ଫସଲର ମୁଣ୍ଡ ଯାହା ରୁଚିଯୁକ୍ତ, ଘନ ଏବଂ ଧଳା ହୋଇଥିବ, କାଟି ନିଅନ୍ତୁ। ଦୟାକରି ଫୁଲ ଅଂଶ (କର୍ଡ୍) ଢିଲା ହେବାକୁ ଦିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଅମଳ କରିବା ସମୟରେ, ଫସଲ ମୁଣ୍ଡ ତଳର ଡାଳିକୁ କାଟିଦିଅ, କିମ୍ବା ଭାଙ୍ଗିବା ପାଇଁ ଏହାକୁ ବଙ୍କା କର।
15	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଅମଳ ପ୍ରଜାତିର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ। ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ଋତୁ ପ୍ରଜାତିର ହାରାହାରି ଅମଳ 3.5 ରୁ 5 ଟନ୍ ହୋଇପାରେ, ଯେତେବେଳେ ବିଳମ୍ବ କିସମ ପାଇଁ ଏହା ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଏହା ଏକର ପ୍ରତି 10-12 ଟନ୍ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବଢ଼ିପାରେ।
17	ସଂରକ୍ଷଣ	ଅମଳ ପରେ, ଫୁଲକୋବିକୁ 95-98% ଆପେକ୍ଷିକ ଆର୍ଦ୍ରତା ସହିତ ଏକ ଥଣ୍ଡା, ଆର୍ଦ୍ର ସ୍ଥାନରେ ସଂରକ୍ଷଣ କରିବା ଉଚିତ। ସଂରକ୍ଷଣ କରିବା ପୂର୍ବରୁ ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ ଫୁଲ ଅଂଶ (କର୍ଡ୍) ଗୁଡ଼ିକ ଚୋଟ କିମ୍ବା କ୍ଷତିରୁ ମୁକ୍ତ ଅଛି।
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ଅଧିକ ପାଣି ଦେବାରୁ ନିବୃତ୍ତ ରୁହନ୍ତୁ, ବିଶେଷକରି ପରିପକ୍ୱତା ସମୟରେ, କାରଣ ଏହା ଦ୍ୱାରା ଫସଲର ମୁଣ୍ଡ ଫାଟିଯାଇପାରେ। ଅମଳ ସମୟରେ ଅଧିକ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ପ୍ରୟୋଗ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିଷେଧ ଅଟେ କାରଣ ଏହା ଏଫଡ଼ ସୃଷ୍ଟି କରିପାରେ ଏବଂ ଫୁଲ ଅଂଶ (କର୍ଡ୍) ପ୍ରଭାବିତ କରିପାରେ।
19	କରନ୍ତୁ	
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

ফুলকবি- অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট ফুলকবিৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ ফুলকবি বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্রিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ ফুলকবিৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।
অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্রিড ফুলকবি	**হাইব্রিড. মেপল, নাযৰা**	**হাইব্রিড. সেলেনা, সোফিয়া**			
সময়কাল	85-95 DAS	95-105 DAS			
খাৰিফ	মে'- জুন	জুলাই - আগষ্ট			
ৰাবি		আগতীয়া ৰবি			
বসন্ত	হয়				
জলসিঞ্চনৰ	ভূমি	ভূমি			

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রমিক নম্বৰ	**সবিশেষ/কাৰ্য্য/অনুশীলন**	**কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট**
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/ কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	ফুলকবিৰ বাবে শীতল তাপমাত্ৰাৰ প্ৰয়োজন, বৃদ্ধি আৰু কুঁহিয়াৰৰ গঠনৰ বাবে সৰ্বোত্তম পৰিসৰ হৈছে প্ৰায় 15-21°C। সামান্য উচ্চ তাপমাত্ৰাৰ বাবে উপযুক্ত জাতৰ উদ্ভাৱন কৰা হৈছে আৰু সংশ্লিষ্ট অঞ্চলসমূহৰ বাবে এই জাতৰ উপযুক্ততা সম্পৰ্কে যোগানকাৰীৰ সৈতে পৰীক্ষা কৰাটো গুৰুত্বপূৰ্ণ।
2	ভূমি/ মাটি	হালধীয়া মাটি প্ৰাৰম্ভিক শস্যৰ বাবে উপযোগী যদিও, মাটি-মৃত্তিকাৰ মাটি মধ্যম আৰু পৰৱৰ্তী ঋতুৰ শস্যৰ বাবে উপযুক্ত। মাটি উৎকৃষ্ট মাটিৰ pH 5.5ৰ পৰা 6.0 হয়।
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	ভাৰতৰ বিভিন্ন ঋতুত ইয়াৰ খেতি কৰা হয়। মে'ৰ পৰা আগষ্টলৈ প্ৰাৰম্ভিক ঋতুৰ জাত, ছেপ্টেম্বৰৰ পৰা অক্টোবৰলৈ মূল ঋতুৰ জাত আৰু অক্টোবৰৰ পৰা ডিচেম্বৰলৈ পৰৱৰ্তী ঋতুৰ জাত ৰোপণ কৰা হয়।
4	বীজৰ হাৰ/ একৰ	120-160গ্ৰাম/ একৰ বীজৰ হাৰ জাতৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰে
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	মাটি ভালকৈ খান্দি খান্দি FYM বা কম্পোষ্ট প্ৰয়োগ কৰিব লাগে। মাটিৰ পৰীক্ষাৰ ফলাফল অনুসৰি প্ৰতি ৩ বছৰৰ মূৰে মূৰে শ্লেকড লাইম প্ৰয়োগ কৰাটো বাঞ্ছনীয়। বীজ ৰোপণৰ অন্তত: 30 দিন আগতে কল প্ৰয়োগ কৰিব লাগে।
6	ব্যৱধান	(শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ x গছৰ পৰা গছলৈ): 60ছেঃমিঃ x 30 ছেঃমিঃ
7	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদাৰ্থ	FYM @ 10 টন, N 80 কেজি, P205 60 কেজি আৰু K20 কেজি/হেক্টৰ। N ৰ আধা আৰু FYM, P205 আৰু K20 ৰ সম্পূৰ্ণ ড'জ বেছাল হিচাপে প্ৰয়োগ কৰা উচিত আৰু N ৰ বাকী আধা ৰোপণৰ পিছত ৩০ দিনত শীৰ্ষ কাপোৰ পিন্ধিব লাগে (পৃথিবী স্থাপন কৰাৰ সময়ত) ।
8	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজক কেপ্টান 2 গ্ৰাম/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
10	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	ৰোপণৰ লগে লগে হালধীয়া পানী দিয়া উচিত আৰু বীজ সিঁচি থোৱা পৰ্যন্ত অব্যাহত ৰখা উচিত আৰু প্ৰয়োজন সাপেক্ষে পৰৱৰ্তী জলসিঞ্চন দিয়া উচিত। মাটিত পানীৰ উপলব্ধতা সমান হ'ব লাগে।
11	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা।
12	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	পাহাৰীয়া অঞ্চলৰ বাবে (i) ৰোপণ কৰাৰ 30 দিনৰ পিছত ব'ৰন 3000 ppm (3গ্ৰাম/লিট) পত্ৰ স্প্ৰে হিচাপে প্ৰয়োগ কৰিব লাগে @ 650 লিটাৰ স্প্ৰে দ্ৰৱ/হেক্টৰ।(N. B. বৰাক্সত ব'ৰনৰ পৰিমাণ 11.3% আৰু বৰিক এচিড 17.5%।) (ii)প্ৰতিৰোপণৰ 32-45 দিনৰ পিছত পৰামৰ্শ অনুসৰি বাণিজ্যিক অণুপুষ্টিকৰ প্ৰস্তুতি দুটা বিভাজিত প্ৰয়োগ কৰিব লাগে।
13	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	কেটাৰপিলাৰ আৰু অন্যান্য পাত খোৱা প্ৰাণী: স্প্ৰে এমামেক্টিন বেঞ্জোয়েট 5% SC (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) ফিল্ড-ক্রিকেট, কাটৱৰ্ম, ৰঙা পিঁপৰা আৰু অন্যান্য মাটিৰ পোক-পৰুৱা: ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেলটামেথ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) প্ৰয়োগ কৰিব লাগে। ব্লেক ৰটঃ সংৰোপণৰ পিছত 100-200 ppm (0.1-0.2 গ্ৰাম/লিটাৰ) ষ্ট্ৰেপ্টমাইচিনৰ দ্ৰৱণেৰে মাটি শুকান কৰক। পাতৰ খনিজ: এবামেক্টিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), থ্ৰিপছ/এফিডছ: ফ্লোনিকামাইড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) বা ফ্লুবেণ্ডাইডামাইড 8.33 % + ডেল্টামেথ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) ফলৰ মাখি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিথ্ৰিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
14	শস্য চপোৱা	শস্য চপোৱাৰ সময়টো বিভিন্ন জাতৰ সৈতে 90-100 দিনৰ ভিতৰত পৃথক হ'ব। চপোৱা মূৰ যিবোৰৰ পৰা, কমপেক্ট আৰু বগা। অনুগ্ৰহ কৰি দৈ ঢিলা হ'বলৈ নিদিব। শস্য চপোৱাৰ সময়ত, অনুগ্ৰহ কৰি মূৰৰ তলৰ ডালটো কাটি দিয়ক, বা যদি ভাঙি যায় তেন্তে ভাঙি দিয়ক।
15	প্ৰত্যাশিত উৎপাদন	প্ৰাৰম্ভিক ঋতুৰ জাতৰ গড় উৎপাদন 3.5 ৰ পৰা 5 টন হ'ব পাৰে, আনহাতে পৰৱৰ্তী ঋতুৰ জাতৰ ক্ষেত্ৰত ই একৰ প্ৰতি 10-12 টন পৰ্যন্ত হ'ব পাৰে।
17	সংৰক্ষণ	শস্য চপোৱাৰ পিছত কলিফ্লাৱ'ৰ'ক 95-98% আপেক্ষিক আৰ্দ্ৰতা থকা শীতল আৰু সেমেকা ঠাইত সংৰক্ষণ কৰিব লাগে। সংৰক্ষণৰ আগতে নিশ্চিত কৰক যে কেচুৱাত কোনো আঘাত বা ক্ষতি হোৱা নাই।
18	নকৰিবা	বিশেষকৈ পৰিপক্কতাৰ সময়ত মূৰবোৰক অধিক পানী নিদিব, কিয়নো ইয়াৰ ফলত মূৰ বিভাজন হ'ব পাৰে। শস্য চপোৱাৰ সময়ত অতিৰিক্ত নাইট্ৰ'জেনৰ ব্যৱহাৰ কঠোৰভাৱে নিষেধ, কিয়নো ই এফাইডৰ সৃষ্টি কৰিব পাৰে আৰু ক'লা দাইলৰ ওপৰত প্ৰভাৱ পেলাব পাৰে
19	কৰিবা	
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্রয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	